आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 02 लखनऊ, बुद्धवार 14 अप्रैल से 20 अप्रैल, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

मौतों में तेजी के कारण देश के कई हिस्सों में अंतिम संस्कार का काम संकट में

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों और संक्रमितों की मौतों में तेजी से हो रही बढ़ोतरी के कारण देश के कई हिस्सों में अंतिम संस्कार का काम संकट में पड़ गया है। गुजरात के सूरत से लेकर मध्य प्रदेश के जबलपुर और झारखंड की राजधानी रांची तक लोगों को एक जैसे संकट का सामना करना पड़ रहा है। कई शहरों में अंतिम संस्कार के लिए लंबी लाइन लगी हुई है और लोगों को कई कई घंटे इंतजार करना पड़ रहा है। सूरत में तो शवों को दूसरे शहर भेजने की नौबत आ गई है। उधर मध्य प्रदेश में कोरोना की रफ्तार काबू नहीं हो रही है। सरकार ने भोपाल के बाद ग्वालियर में भी सात दिन का लॉकडाउन लगाने का फैसला लिया है। राज्य में मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ ही अस्पतालों में बेड्स और दूसरी चिकित्सा सुविधाएं खत्म होती जा रही हैं। खबर है कि इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर में श्मशान घाटों पर अंतिम संस्कार के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। चिताएं ठंडी होने से पहले ही दूसरे शवों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भी कोरोना से मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। पिछले २४ घंटे में १०७ लोगों की मौत हुई है। राज्य में संक्रमितों की संख्या कई दिनों से बढ़ रही थी,

लेकिन एक दिन में एक सौ से ज्यादा मौतें नहीं हुई थीं। राज्य में हालात बिगड़ने की वजह से मंगलवार कोगौरेला– पेंड्रा– मरवाही जिले में लॉकडाउन लगाने का फैसला किया गया है। २८ जिले वाले छत्तीसगढ़ में अब तक १७ जिलों में लकडाउन का ऐलान किया जा चुका है। राजस्थान में आठ अप्रैल से संक्रमण के नए मामले का लगातार नया रिकार्ड बन रहा है। अप्रैल में संक्रमण के मामले चार गुना तेजी से बढ़े हैं और इसी अवधि में ठीक होने वाले मरीजों की दर ६६.५५ फीसदी से गिर कर ८६.३४ फीसदी पर पहुंच गया है। १२ दिन में इसमें ७.२१ फीसदी गिरावट आई है। एक्टिव केस भी अब पहली लहर के मुकाबले ज्यादा हो गए हैं। पिछले साल नवंबर में जब कोरोना सबसे पीक पर था, तब भी पूरे राज्य में २६ हजार से ज्यादा एक्टिव केस नहीं थे। इस बार यह बढ़ कर ३६ हजार के पार चले गए हैं। सूरत के श्मशान घाटों पर चौबीसों घंटे शवों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है। वहां चिताओं की गर्मी से भट्घठियों की चिमनियां तक पिघल गई हैं। एक दिन में एक–एक सौ शव अंतिम संस्कार के लिए लाए जा रहे हैं। हालांकि आधिकारिक रूप से पूरे गुजरात में ५०–६० से ज्यादा लोगों की मौत नहीं बताई जा रही है। सूरत में कोरोना से मरने वालों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी को देखते हुए तापी नदी के तट पर कैलाश मोक्षधाम को फिर से शुरू कर दिया गया है। यह पिछले १४ साल से बंद था। शमशानों में कई घंटों की वेटिंग चल रही है और इसी के चलते अब आसपास के शहरों में शव भेजे जा रहे हैं।

एक दिन में संक्रमण के सर्वाधिक १८,०२१ नये मामले, ८५ लोगों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को कोविड–१६ के एक दिन में सबसे ज्यादा १८,०२१ नये मामले सामने आए। वहीं संक्रमण से और ८५ लोगों की मौत हुई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि राज्य में पिछले २४ घंटे में कोविड–१६ के सबसे ज्यादा १८,०२१ नये मामले सामने आये हैं और संक्रमण से ८५ लोगों की मौत हुई है। इससे पहले ११ अप्रैल को एक दिन में सबसे ज्यादा १५,३५३ नए मामले आए थे और १२ अप्रैल को संक्रमण से सबसे ज्यादा ७२ लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक ६,३०६ कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत हो चुकी है। पिछले २४ घंटों के दौरान सबसे ज्यादा १८ मौतें इराजधानी लखनऊ में हुई हैं। इसके अलावा कानपुर नगर में १०, प्रयागराज में आठ, गौतम बुद्ध नगर,

रायबरेली तथा संभल में चार–चार मरीजों की मौत हुई है। अमित मोहन प्रसाद के मुताबिक राज्य में अब तक कुल ७,२३,५८२ लोग संक्रमित हुए हैं। इनमें से फिलहाल ६५,६८० मरीजों का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले २४ घंटे में प्रदेश में ३,४७४ मरीजों को छुट्टी दी गई है। मंगलवार को सबसे ज्यादा ५३८२ नए मरीज राजधानी लखनऊ में मिले हैं इसके अलावा प्रयागराज में १८५६, वाराणसी में १४०४ और कानपुर नगर में १२७१ मरीजों में कोविड–१६ संक्रमण की पुष्टि हुई है। अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि राज्य में कोविड–१६ टीके की अब तक ६३ लाख से ज्यादा डोज दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि सोमवार को २.१८ लाख नमूनों का परीक्षण किया गया जबकि अब तक ३.७१ करोड़ से अधिक परीक्षण किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि नमूनों के परीक्षण के लिए राज्य में १२ नई आरटी–पीसीआर प्रयोगशाला खोली जा रही हैं।

सीएम ऑफिस में कोरोना की दस्तक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हुए आइसोलेट

लखनऊ। भारत में बेकाबू हुए कोरोना संक्रमण ने हाहाकार मचा रखा है। उत्तर प्रदेश में भी संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी खुद को आइसोलेट कर लिया है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री के ओएसडी अभिषेक कौशिक, प्रमुख सचिव एसपी गोयल और सीएम के सचिव अमित सिंह संक्रमित हो गए हैं। सीएम आवास के भी दो कर्मचारियों के संक्रमित होने की बात कही जा रही है। इसके बाद सीएम योगी ने एहतियातन खुद को आइसोलेट किया है। इस बात की जानकारी सीएम योगी ने ट्वीट करके दी है। सीएम योगी ने ट्वीट करके कहा कि मेरे कार्यालय के कुछ अधिकारी कोरोना से संक्रमित हुए हैं। यह अधिकारी मेरे संपर्क में रहे हैं। अतः मैंने एहतियातन अपने को आइसोलेट कर लिया है एवं

सभी कार्य वर्चुअली प्रारम्भ कर रहा हूं। यूपी में कोरोना संक्रमण की रफ्तार लगातार तेज हो गई है। जहां बीते दिन कोरोना संक्रमण के १३६८५ नए मामले सामने आए थे, वहीं मंगलवार को १८,०२१ नए मामले दर्ज किए गए। जबकि संक्रमण से ८५ लोगों की मौत हो गई। प्रदेष में अब तक संक्रमण से ६,३०६ लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं जिलों की बात की जाए तो सबसे ज्यादा मामले राजधानी लखनऊ से सामने आए। लखनऊ में मंगलवार को रेकर्ड ५३८२ नए केस मिले। लखनऊ के बाद कोरोना के सबसे ज्यादा मामले प्रयागराज में १८५६ मिले हैं। इसके बाद वाराणसी में १४०४ केस सामने आए हैं। कानपुर में १२७१ नए केस मिले हैं।

कोविड 19 ब्याज माफी योजना का लाभ उपभोक्ताओं को घर बैठे मिले– श्रीकान्त शर्मा

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने कहा कि कोविड १६ ब्याज माफी योजना का लाभ उपभोक्ता घर से ही अनलाइन आवेदन कर ले सकते हैं। इसमें कोई बाधा न आये यह यूपीपीसीएल चेयरमैन व प्रबंध निदेशक सुनिश्चित करें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं के डिस्कनेक्शन न करें बल्कि फोन कॉल कर उन्हें ३१ जनवरी तक के बिल पर सरचार्ज माफी की योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। सभी पात्र उपभोक्ताओं को अगले ४८ घंटे में कॉल करें। ऊर्जा मंत्री ने मंगलवार को समीक्षा के दौरान १५ अप्रैल तक चलने वाली सरचार्ज माफी योजना की प्रगति से असंतुष्टि जताते हुए कहा कि यह योजना अधिक से अधिक घरेलू व कृषि ट्यूबवेल उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिले इसलिए लाई गई। लेकिन अब तक इसका लाभ २५ फीसदी उपभोक्ताओं को ही मिला है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इसका लाभ अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए फोन कॉल कर उपभोक्ताओं को अनलाइन नचमदमतहल.पद पोर्टल के जरिये घर बैठे पंजीकरण कराने और मूल राशि वर्तमान बिल के साथ चुकाने के लिए प्रेरित करें। ताकि ३१ जनवरी तक बिल पर लगे सरचार्ज से उन्हें सौ फीसदी मुक्ति मिल जाये। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि योजना का अनलाइन लाभ लेने में कोई तकनीकी अड़चन व बिल में गड़बड़ी बाधा न बने। बिल संशोधन की शिकायतों का तत्काल निस्तारण हो और फोन पर ऑनलाइन प्रक्रिया को लेकर मार्गदर्शन करें। उपभोक्ता किसी भी तरह की शिकायत के लिए १९१२ पर कॉल करें।

सम्पादकीय

कोरोना महामारी के कारण करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे गए

कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर में करोड़ों लोग मध्य वर्ग से खिसक कर गरीबी रेखा के नीचे चले गए हैं। इनमें लगभग साढ़े सात करोड़ लोग भारत के हैं। भारत में वैसे भी मध्य वर्ग छोटा है। विश्व बैंक के रोजाना दो डॉलर खर्च कर सकने की क्षमता के पैमाने पर कभी इस तबके की आबादी भारत में १० करोड़ से अधिक नहीं रही। मध्य वर्ग से लोग क्यों नीचे गए, इसका एक कारण बड़ी संख्या में अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियों से लोगों का हाथ धोना है। दूसरा कारण मध्यम और छोटे दर्जे के कारबारों का बंद होना है। इस बारे में एक नए अध्ययन से नई रोशनी पड़ी है। इस अध्ययन के मुताबिक ऐसे कारोबार से जुड़े लोगों को नहीं लगता कि अगले महीनों के भीतर वे अपना व्यवसाय पहले जैसा चला पाएंगे। बल्कि उन्हें यह भी नहीं लगता कि वह अगले छह महीने तक अपना कारोबार जारी रख पाएंगे। एक नई फेसबुक वैश्विक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान में ऐसे कारोबार के बंद होने की दर सबसे ऊंची है। भारत में ऐसे ३२ प्रतिशत उद्योग बंद हो गए हैं। इससे इस क्षेत्र में रोजगार में कमी आई है। भारत में पिछले तीन महीनों के दौरान पूर्व कर्मचारियों के बीच से सिर्फ ४२ को ही दोबारा काम मिला। अब चूंकि महामारी की दूसरी लहर का कहर टूट पड़ा है, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि हालात क्या होंगे। इस अध्ययन के लिए फेसबुक ने फरवरी में २७ देशों में ३५,००० से अधिक छोटे और मध्यम व्यापारियों के बीच सर्वेक्षण किया। इस दौरान दुनिया भर में लगभग २४ प्रतिशत कारोबारियों ने बताया कि उनके व्यवसाय बंद हो गए हैं। हालांकि वैक्सीन आने से कुछ आशा पैदा हुई है, फिर भी अध्ययनकर्ताओं की राय है कि अभी भी कई उद्योग कमजोर हैं और उन्हें सहायता की जरूरत है। जो लोग महामारी के प्रभाव को महसूस कर रहे हैं, उनमें सबसे अधिक महिलाओं और अल्पसंख्यक–स्वामित्व वाले व्यवसाय हैं। वैसे भी ये जग जाहिर है कि जब भी संकट आता है, तो हमेशा सबसे कमजोर पर ही सबसे कठिन मार पड़ती है। एक बार फिर यही हुआ है। भारत में इस क्षेत्र को संभालने के लिए सरकारी स्तर पर शायद ही कोई प्रभावी कदम उठाया गया है।

कोरोना के चलते उत्तर प्रदेश में ३० अप्रैल तक सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना के बढ़ते प्रभाव को देखते हुये राज्य सरकार ने कक्षा एक से १२ तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को ३० अप्रैल तक बंद किये जाने की आज घोषणा की। इस अवधि में सभी कोचिंग संस्थान भी बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री ने सरकारी आवास पर बैठक में कोविड–१९ की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिए 'टेस्ट, ट्रेस और ट्रीट' के लक्ष्य को निरन्तर ध्यान में रखते हुए प्रभावी प्रयास किए जाएं। कोविड–१९ की टेस्टिंग में वृद्धि की जाए। उन्होंने कहा कि कोविड चिकित्सालयों में चिकित्साकर्मियों, आवश्यक औषधियों, मेडिकल उपकरणों तथा बैकअप सहित अक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखी जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि एल–२ तथा एल–३ कोविड चिकित्सालयों में वेन्टिलेटर्स तथा हाई फ्लो नेजल कैन्युला (एच.एफ.एन.सी.) की उपलब्धता अवश्य रहे। वेन्टिलेटर्स एवं एच.एफ.एन.सी. की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए लगातार समीक्षा करते हुए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त प्रबन्ध किए जाएं। उन्होंने लेवल–२ तथा लेवल–३ के बेड की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी तथा प्रयागराज में कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए प्रभावी रणनीति बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन जनपदों में प्रतिदिन कोरोना के १०० या

उससे अधिक केस मिल रहे हैं अथवा जहां कुल एक्टिव केसों की संख्या ५०० से अधिक है, ऐसे जनपदों में रात्रि ०६ बजे से सुबह ०६ बजे तक कोरोना कर्फ्यू लगाया जाए। प्रदेश में कक्षा ०१ से कक्षा १२ तक के सभी सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालयों को ३० अप्रैल तक बन्द रखा जाए। पूर्व निर्धारित परीक्षाएं आयोजित की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस अवधि में कोचिंग सेन्टर्स भी बन्द रहेंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी जनपदों में पी.पी.ई. किट, एन–९५ मास्क, पल्स आक्सीमीटर, इन्फ्रारेड थर्मामीटर, सेनिटाइजर, एन्टीजन किट सहित सभी आवश्यक सामग्री की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। इस सम्बन्ध में किसी भी जनपद से से मांग प्राप्त होने पर तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। सभी विभागों के कार्मिकों को आवश्यकतानुसार कोविड प्रबन्धन के कार्यों से जोड़ा जाए। युवक मंगल दल, महिला मंगल दल, सिविल डिफेंस, एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. के सदस्यों की भी सेवाएं प्राप्त की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण में स्वच्छता व सेनिटाइजेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके दृष्टिगत नगर विकास एवं ग्राम्य विकास विभागों द्वारा शहरी और ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता और सेनिटाइजेशन का कार्य मिशन मोड पर किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व सेनिटाइजेशन के कार्य से कोविड–१९ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, वहीं दूसरी ओर यह डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया तथा जे.ई. की रोकथाम में भी उपयोगी होगा।

दहेज के लालची सिपाही ने की बुलट की मांग दुल्हन ने किया शादी से इनकार

लखनऊ। देश में अभी भी दहेज प्रथा पर लगाम नहीं लग सकी है. दहेज के कारण आज भी देश की बहन बेटियां प्रताड़ित की जा रही है. लेकिन समय के साथ अब एक बदलाल देखने को जरूर मिल रहा है. अब के हालातों में देखा जा रहा है कि दहेज प्रेमी परिवारों में शादी करने से लड़कियां इनकार कर देती हैं. कुछ ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश

के हाथरस से सामने आया है जहां अक दूल्हे को उसका मनचाहा दहेज ना मिलने पर वो बाराता ले जाने से इनकार कर देता है. दहेज पर दूल्हा इतना नाराज हो गया कि उसने चलती बारात से उतर कर बारात में जाने से मना कर दिया. जब फिर भी बात नहीं बनी तो उसने शादी में पहने हुए अपने कपड़े तक उतार दिये. विवाद बढ़ता गया और थाने तक जा पहुंचा जिसके बाद दुल्हन ने ही शादी से इनकार कर दिया. इस पूरे विवाद का कारण जो सामने आया है वो जानकर किसी को भी झटका लगेगा. जानकारी के अनुसार अलीगढ़ के थाना क्वार्सी क्षेत्र के एक गांव का रहने वाले युवक का विवाह १० लाख रुपये और एक बुलेट(की देन लेन के साथ तय हुआ था. वर पक्ष ने पैसे तो ले लिये थे. लेकिन बुलेट के बारे में बात हुई थी कि शादी के समय ही बुलेट दी जाएगी. लेकिन बाद में दुल्हन की इच्छा को ध्यान में रखते हुए बुलेट की जगह अपाची लाई गयी. इसकी जानकारी जब दूल्हे को मिली तो वो बुलेट की मांग पर अड़ गया और बारात को रास्ते में ही रोक दिया. इसके साथ ही उसने उसी समय अपनी शादी के जोड़े को भी खोल कर फेंक दिया. बता दें कि दूल्हा खूद पुलिस में सिपाही है. इसके साथ ही वो शादी के दिन नशे में था. इन बातों की सूचना जब दुल्हान को मिली तो दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया. थाने में दोनों पक्षों को बैठाकर समझा बूझा कर मामले को शांत कर लिया गया है. इस पूरे विवाद के बाद दूल्हा की खूब किरकिरी हुई है. फिलहाल दूल्हा लखनऊ के कैंट थाने में तैनात है. हालांकि वर पक्ष का कहना है कि कि दहेज की तो कोई बात ही नहीं है . किसी ने हमाने लड़के को नशे की दवा दे दी थी जिस कारण ये सब बखेड़ा खड़ा हो गया.।

जूनियर इंजीनियर्स संगठन ने की मांग, कराए जाएं सिर्फ जरूरी काम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पॉवर कार्पोरेशन के अंग उत्पादन, पारेषण, वितरण सहित अन्य जगहों पर सिर्फ आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर अन्य सेवाओं को पूरी तरह से ठप किए जाने की मांग राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन की ओर से किया गया है। संगठन की ओर से यहां मांग प्रबंधन के साथ ही प्रदेश सरकार से भी की गई है। इस दौरान संगठन केंद्रीय महासचिव जय प्रकाश ने बताया कि हमारे संगठन के सदस्य और पदाधिकारी पूरे मनोयोग से बीते वर्ष भी करते चले आए हैं और इस वर्ष भी इस कोरोना काल की भयावह स्थिति में भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन के सदस्यों ने पूरे प्रदेश में कोरोना वारियर्स बनकर काम किया है, लेकिन इसके बाद भी काम के मुकाबलें उचित सम्मान नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस कोरोना के दूसरी लहर में हमारे बहुत से साथी कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। इसके साथ ही कई को जान गंवानी पड़ी है। इस विषम परिस्थिति में भी कार्पोरेशन द्वारा आए दिन कैंपों का आयोजन, बिजली चेकिंग अभियान, अनशिडयूल्ड वीडियो कांफ्रेसिंग सहित कई और कामों को कराया जा रहा है। जिसकी वजह से बहुत से अभियंताओं को बड़ी मुश्किलों काम सामना करना पड़ रहा है। साथ ही बहुत से अभियंता कोरोना की चपेट में आ जा रहे हैं। जिससे बिजली कर्मियों में दहशत व्याप्त हो गया है। अभियंता पूरी तरह से मानसिक दबाव में हैं। उन्होंने सभी सिर्फ आपातकालीन कामों को छोड़ सभी कामों को शिथिल की मांग की। उन्होंने प्रबंधन से यह भी कहा कि हमारी इस मांग को गंभीरता से लेने के साथ ही प्राथमिकता दे।

क्या कोरोना टीका लगवाने से टूटेगा रोजा? फतवा जारी कर बताया गया३

लखनऊ। दारूल इफ्ता फरंगी महल ने अपने एक फतवे में कहा है कि कोरोना का टीका लगवाने से रोजा नहीं टूटेगा लिहाजा रमजान के महीने में रोजे की हालत में वैक्सीन ली जा सकती है। दारुल इफ्ता द्वारा मंगलवार को दिए गए इस महत्वपूर्ण फतवे में कहा गया है कि कोरोना टीके की दवा इंसानी बदन की रगों में दाखिल होती है, पेट के अंदर नहीं, इसलिए इसके लगवाने से रोजा नहीं टूटेगा। मुसलमानों को केवल रोजे की वजह से कोविड–१९ का टीका लगवाने में देर नहीं करनी चाहिए।मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के नागरिक अब्दुर्रशीद किदवाई ने दारूल इफ्ता से यह सवाल किया था कि कोविड–१९ जैसी भयानक बीमारी इस समय अपने चरम पर है। इससे बचाव के लिए वैक्सीन इंजेक्शन के माध्यम से दी जा रही है। इसकी दो खुराकें दी जायेगी। हमने कई दिन पहले इसकी पहली खुराक ली है। दूसरी खुराक रमजान में दी जायेगी। आपसे मालूम यह करना है कि क्या रोजे की हालत में वैक्सीन ली जा सकती है? इस सवाल के जवाब में दारूल इफ्ता फरंगी महल ने यह फतवा दिया। इस फतवे पर मौलाना मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, मौलाना नसरूल्लाह, मौलाना नईमुर्रहमान सिद्दीकी और मौलाना मुहम्मद मुश्ताक के दस्तखत हैं।

अखिलेश यादव ने कराया कोविड टेस्ट

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में मंगलवार को अपना कोविड टेस्ट कराया। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव

ने समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में कोरोना वायरस जांच के लिए अपना सैंपल दिया। अब उनको रिपोर्ट का इंतजार है। इस उन्होंने कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण पर योगी आदित्यनाथ सरकार को बेहद नाकाम बताया।समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव बीते दिनों उत्तराखंड दौरे पर थे। इस दौरान वह हरिद्वार में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि के सम्पर्क में आए थे। महंत बाद में कोरोना पजिटिव पाए गए। कोविड पजिटिव पाए गए नरेंद्र गिरि जी की हालत ठीक नहीं है। उन्हें एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। इसके बाद लखनऊ पहुंचे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में अपना कोरोना टेस्ट कराया है। अखिलेश यादव ने कोविड जांच के लिए सैंपल दिया है। इसकी जानकारी उन्होंने एक ट्वीट से आज दी है। कोरोना टेस्ट के लिए सैंपल देने के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस के कहर से इन दिनों हाहाकार मचा है। ऐसी स्थिति क्यों हुई है, भाजपा सरकार को इस बात का जवाब देना होगा। पार्टी ने कोरोना पर नियंत्रण का झूठा ढिंढोरा पीटा है। प्रदेश में चारों ओर कोरोना टीका, कोरोना टेस्ट के साथ ही डक्टर, बेड, अस्पताल तथा एंबुलेंस की कमी दिख रही है। कोरोना टेस्ट रिपोर्ट में देरी होने के साथ ही दवाई की कालाबाजारी की जा रही है। इन सभी मामलों पर भाजपा सरकार चुप क्यों है। भाजपा के स्टार प्रचारक अब कहां हैं।

आग लगने के बाद एंबुलेंस के सीएनजी सिलेंडर में विस्फोट

लखनऊ। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के हरदोई रोड पर कालीचरण डिग्री कॉलेज के पास सोमवार दोपहर वेल्डिंग के दौरान एंबुलेंस में आग लग गई। इस दौरान सीएनजी सिलेंडर में धमाका होने से ६० वर्षीया बुजुर्ग महिला सहित ६ लोग घायल हो गए। घायलों

में तीन दमकलकर्मी और एक पत्रकार भी शामिल है। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायलों ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया है। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के कालीचरण डिग्री कलेज के पास मार्केट में इनायत मिस्त्री नाम से कार रिपेयरिंग की दुकान है जहां सोमवार दोपहर सुशील नाम के व्यक्ति की मारुति वैन(एंबुलेंस) वेल्डिंग करा रहा था। इस दौरान एंबुलेंस में आग लग गई। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मी आग को बुझा ही रहे थे कि एंबुलेंस में लगे सीएनजी गैस सिलेंडर में जोरदार धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि वैन के परखच्चे उड़ गए। धमाके में एंबुलेंस का मलबा ५० से १०० मीटर की दूरी तक जाकर गिरा। इस हादसे में पास की दुकान का मोटर साइकिल मैकेनिक मनीष कश्यप, वहां से गुजर रहा एक पत्रकार, ६० वर्षीया महिला समेत आग बुझा रहे तीन दमकलकर्मी घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। वहीं अन्य को मामूली चोटें आई हैं। एडीसीपी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि वैन में आग लगने का कारण लापरवाही पूर्वक वेल्डिंग किया जाना प्रकाश में आया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और एक व्यक्ति को हिरासत में भी लिया गया है।

प्रेमिका की हत्या के बाद खुद को भी गोली से उड़ाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के कैंट इलाके में एक व्यक्ति ने प्रेमिका की हत्या करने के बाद खुद को भी गोली मार कर अपनी जान दे दी। महिला के सीने पर तो पुरूष के माथे में गोली लगी है। पुलिस ने आज यहां कहा कि कैंट इलाके के एनसीसी मेस के पास सुनसान स्थान पर सोमवार देर रात एक कार खड़ी मिली। आर्मी की पेट्रोलिंग टीम ने उसे देखा और नजदीक से छानबीन की। कार के अंदर संजय निगम और आशा अग्रवाल का शव पड़ा था। दोनों को गोली लगी थी। युवती को सीने में गोली लगी थी। वहीं संजय को माथे के बीच में। पुलिस के मुताबिक, प्रेम प्रसंग का मामला लग रहा है। युवती की हत्या के बाद संजय ने खुदकुशी की है। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। अधिकारी छानबीन कर रहे हैं। कैंट के रामदास का हाता निवासी संजय निगम शेफ किचन के नाम से रेस्टोरेंट चलाते हैं और परिवार के साथ गोमतीनगर में रहते थे। रामदास हाता का आवास उन्होंने किराए पर उठा रखा था। सोमवार रात संजय की कार एनसीसी मेस के पास सुनसान इलाके में मिली। कार के अंदर चालक वाली सीट पर संजय निगम का खून से लथपथ शव पड़ा था। वहीं बगल की सीट पर एक युवती का शव पड़ा था। कार के नंबर के आधार पर मालिक का नाम व पता निकाला गया। कार संतोष शर्मा के नाम से पंजीं त थी। वह तेलीबाग के रहने वाले हैं। पुलिस संतोष के घर गई। वहां पता चला कि कुछ दिन पहले कार को उन्होंने संजय निगम के हाथ बेची थी। कार का कागज अभी ट्रांसफर नहीं किया था। कार में संजय निगम के पास से एक .३२ बोर की लाइसेंसी रिवाल्वर मिली। जिससे चार गोलियां चलने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने रिवाल्वर को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक संजय निगम का पत्नी से विवाद चल रहा है। पुलिस के अनुसार, उनका किसी युवती से संबंध था। फोरेंसिक टीम को कार के अंदर से दो पन्ने का सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में संजय निगम ने लिखा है कि मेरी मौत की जिम्मेदार अंजू नाम की महिला है। उसने मेरी जिंदगी खराब कर दी है। वह मेरी दुकान पर कब्जा करना चाहती है। पुलिस ने सुसाइड नोट कब्जे में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, अंजू कौन है? यह अभी साफ नहीं हो सका है। संजय के साथ कार में जिस महिला का शव मिला है। उसकी शिनाख्त कैंट इलाके की आशा अग्रवाल के रूप में हुई है। उसके पति की मौत हो चुकी है। एक बेटा व एक बेटी है। दोनों के बीच संबंध के बारे में दोनों के परिवार जानते थे। संजय निगम को भी एक बेटी व एक बेटा है।

ठेकेदार से हड़पे सवा लाख

लखनऊ।शारदा अपार्टमेंट गोमतीनगर निवासी ठेकेदार चेतन सिंह से ठगों ने एक लाख २६ हजार रुपये हड़प लिए। चेतन को सिविल के काम के लिए मजदूरों की जरूरत थी। इसके लिए उन्होंने एक वेबसाइट पर नम्बर देखकर संपर्क किया। लेबर ठेकेदार बनकर विश्वरूप और कार्तिक ने हावड़ा और भुवनेश्वर से मजदूरों को भेजने का झांसा दिया और एक लाख २६ हजार रुपये हड़प लिए। पीड़ित ने एफआइआर दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।है।

पुलिसकर्मी बनकर महिला के जेवर लेकर भागा

लखनऊ। विवेक खंड चार गोमती नगर निवासी वीना भल्ला से खुद को पुलिसकर्मी बताकर टप्पेबाजों ने जेवर उतरवा लिए। वीना दवाई लेने के लिए घर से निकली थीं। वीना के मुताबिक रास्ते में दो युवकों ने उन्हें रोक लिया और खुद को एसटीएफ में तैनात पुलिसकर्मी बताया। युवकों ने कहा कि आजकल लूटपाट की घटनाएं बढ़ गई हैं। आप जेवर उतार कर पर्स में रख लें। आरोपितों की बातों में आकर वीना ने जेवर उतार दिए। इसके बाद टप्पेबाजों ने उनके हाथ से जेवर लेकर कागज में लपेटा और उसे बदल लिया। वीना जब घर पहुचीं और कागज खोला तो उसमें जेवर की जगह कंकड़ रखे थे। पीड़िता ने गोमती नगर थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बीएसएनएल का फाइबर इंटनेट देने के नाम पर फर्जीवाड़ा

लखनऊ। उपभोक्ताओं को सस्ती दर पर बीएसएनएल की फाइबर इंटरनेट सेवा देने का प्रलोभन देकर जालसाजों ने कई लोगो से ऑनलाइन ठगी कर ली। इन जालसाजों ने खुद को बीएसएनएल की संयुक्त उपक्रम बताते हुए अनलाइन पैसा अपने खाते में जमा कराया है। रुपया लेने के कई दिन बाद भी जब बीएसएनएल की ओर से कोई कनेक्शन देने नही पहुंचा तो उपभोक्ता बीएसएनएल कार्यालय आ गए। उन्होंने अफसरों को सारी जानकारी दी। इसके बाद बीएसएनएल की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। बीएसएनएल की एफटीटीएच लाइन देने के लिए जालसाजों ने कई नकली वेबसाइट बनाकर प्रलोभन दिया। इन फर्जी वेबसाइटों पर फाइबर सेवा के लिए बीएसएनएल के साथ व्यापारिक साझेदारी का दावा किया गया। यह भी कहा गया कि बेहद कम दर पर असीमित डाटा ग्राहको को सीधे भारत फाइबर सेवा के जरिये प्रदान की जाएगी। इसके लिए ग्राहको को बीएसएनएल फाइबर कनेक्शन प्रदान करने के लिए अनलाइन अग्रिम भुगतान की मांग की गई। नेट बैंकिंग, यूपीआई आदि विभिन विकल्पों के साथ बीएसएनएल के फाइबर कनेक्शन के लिए ऑनलाइन शुल्क का भुगतान जालसाजों तक पहुंच गया। अब बीएसएनएल के महाप्रबंधक विक्रय विपणन अतुल शर्मा का कहना है कि इस तरह के मामले सामने आए हैं। बीएसएनएल नये कनेक्शन की ऑनलाइन बुकिंग के लिए कोई पैसा नही मांगता है।

सैन्यकर्मी से प्लाट दिलाने के नाम पर सात लाख हड़पे

लखनऊ। सेना में हवलदार बिहार निवासी जवाहर यादव से प्लाट दिलाने के नाम पर रियल एस्टेट कंपनी सर्व समृद्धि लैंड डेवलपर्स ने सात लाख छह हजार रुपये हड़प लिए। पीड़ित जे वर्ष २०१४ में विपुल खंड स्थित कंपनी के अफिस में संपर्क किया था। कंपनी के कर्मचारी ज्ञानेंद्र ने झांसे में लेकर प्लाट के नाम पर रुपये जमा करा लिए। तीन साल बाद रजिस्ट्री भी हो गई, लेकिन जब जवाहर वहां कब्जा लेने पहुँचे तो पता चला कि वह जमीन किसी और को बेच दी गई है। पीड़ित ने गोमतीनगर थाने में एफआइआर दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

राफेल पर फिर होगी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। फ्रांस से खरीदे गए लड़ाकू विमान राफेल की खरीद के विवाद का मुद्दा एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पिछले ही साल सुप्रीम कोर्ट ने इस सौदे में केंद्र सरकार को क्लीन चिट दी थी। लेकिन अब एक बार फिर इस सौदे में भ्रष्टाचार का मुद्दा सामने आने के बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पुहंचा है। सौदे में भ्रष्टाचार को लेकर फ्रांस की वेबसाइट मीडिया पार्ट के खुलासे के बाद सुप्रीम कोर्ट में नई जनहित याचिका दायर की गई है, जिसे अदालत ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट के वकील एमएल शर्मा ने नई याचिका दाखिल कर सुप्रीम कोर्ट से स्वतंत्र जांच की मांग की है। चीफ जस्टिस एसए बोबडे ने सोमवार को कहा कि अदालत इस मामले की दो हफ्ते बाद सुनवाई करेगी। हालांकि उन्होंने इसके लिए किसी तारीख का जिक्र नहीं किया। याचिकाकर्ता शर्मा ने सीजेआई बोबडे के सामने मामले का जिक्र किया। शर्मा ने कहा कि वे २३ अप्रैल को चीफ जस्टिस बोबडे के रिटायरमेंट से पहले एक

नई याचिका पर सुनवाई की अपील कर रहे हैं। इस पर चीफ जस्टिस ने दो हफ्ते बाद मामले को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो साल पहले कोर्ट की निगरानी में राफेल सौदे की जांच की मांग से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कर दी थीं। १४ दिसंबर २०१८ को सुप्रीम कोर्ट ने इस सौदे की प्रक्रिया और पार्टनर चुनाव में किसी तरह के पक्षपात के आरोपों को बेबुनियाद बताया था। इस बीच फ्रेंच भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी एएफए की जांच रिपोर्ट के हवाले से प्रकाशित खबर के मुताबिक, डसाल्ट एविएशन ने कुछ बोगस नजर आने वाले भुगतान किए हैं। नए खुलासे के मुताबिक विमान बनाने वाली कंपनी के २०१७ के खातों के अडिट में पांच लाख आठ हजार ६२५ यूरो यानी ४.३६ करोड़ रुपए क्लाइंट गिफ्ट के नाम पर खर्च दिखाए गए। इतनी बड़ी रकम का कोई ठोस जवाब नहीं दिया गया। एएफए के पूछने पर डसाल्ट एविएशन ने बताया कि उसने राफेल विमान के ५० मडल एक भारतीय कंपनी से बनवाए। इन मडल के लिए २० हजार यूरो यानी १७ लाख रुपए प्रति नग के हिसाब से भुगतान किया गया। हालांकि यह मॉडल कहां और कैसे इस्तेमाल किए गए, इसका कोई सबूत नहीं दिया गया।

अभी अंत नहीं होगा महामारी का

संयुक्त राष्ट्र। विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्लुएचओ के प्रमुख टेड्रोस एड़नेम गेब्रियेसस ने कहा है कि भले ही दुनिया भर में अब तक कोविड–१९ रोधी टीकों की ७८ करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं, लेकिन महामारी का अंत अब भी काफी दूर है। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा कि जन स्वास्थ्य के संबंध में कड़े कदम उठा कर कुछ महीनों में इसे काबू में किया जा सकता है। गौरतलब है कि चीन के वुहान शहर में दिसंबर २०१९ में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आया था। अब तक दुनिया भर में १३ करोड़ ६५ लाख से ज्यादा लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। डब्लुएचओ प्रमुख ने इसकी गंभीरता को देखते हुए कहा– दुनिया भर में जनवरी और फरवरी में लगातार छह हफ्तों तक संक्रमण के मामलों में कमी देखी गई। अब हम लगातार सात सप्ताह से मामलों में वृद्धि देख रहे हैं और चार सप्ताह से मौत के मामलों में इजाफा हो रहा है। पिछले सप्ताह, एक सप्ताह में सबसे अधिक मामले सामने आए। उससे पहले तीन बार उससे ज्यादा मामले आए हैं। एशिया और पश्चिम एशिया के कई देशों में मामलों में भारी वृद्धि देखने को मिली है। गेब्रियेसस ने जेनेवा में पत्रकारों से कहा कि दुनिया भर में कोविड–१९ रोधी टीकों की ७८ करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। टीका शक्तिशाली हथियार तो है लेकिन यही एकमात्र हथियार नहीं है। उन्होंने कहा– सामाजिक दूरी कारगर है। मास्क लगाना कारगर है। वेंटिलेशन कारगर है। निगरानी, जांच, संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाना, पृथकवास आदि संक्रमण से निपटने और लोगों का जीवन बचाने उपाय हैं। डब्लुएचओ प्रमुख ने आगाह किया कि महामारी का अंत दूर है लेकिन दुनिया के पास आशावादी होने के कई कारण हैं।

महाराष्ट्र में धारा 144 से पाबंदियां, मुख्यमंत्री ने ऐन मौके पर लॉकडाउन टाला

मुंबई। महाराष्ट्र में आखिरकार राज्य सरकार ने लॉकडाउन लगाने का फैसला टाल दिया। कैबिनेट की बैठक में और विशेषज्ञ समूहों की चर्चा में लॉकडाउन लगाने पर सहमति बनी थी पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने ऐन मौके पर लॉकडाउन लगाने का फैसला टाल दिया। उन्होंने मंगलवार को रात आठ बजे राज्य के लोगों को संबोधित किया और लॉकडाउन की बजाय सख्त पाबंदियां लगाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि राज्य में बुधवार को रात आठ बजे से १५ दिन तक निषेधाज्ञा लागू रहेगी। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़े आर्थिक राहत पैकेज का भी ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को संबोधित करते हुए राहत पैकेज का ऐलान किया और कहा कि राशन की दुकानों से तीन किलो गेहूं और तीन किलो चावल मुफ्त में मिलेगा। उन्होंने कहा कि कार्डधारकों को अगले तीन महीने तक मुफ्त राशन मिलेगा। इसके अलावा उन्होंने १२ लाख मजदूरों को डेढ़–डेढ़ हजार रुपए की आर्थिक मदद देने का भी ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि जरूरी सेवाओं को छोड़ कर बाकी सेवाएं बंद रहेंगी। सभी पब्लिक प्लेसेज बंद रहेंगे और संस्थानों में भी कामकाज भी बंद रहेगा। लोकल ट्रेन और बस सेवा भी सिर्फ जरूरी कामों के लिए ही चलेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने लॉकडाउन को लेकर उप मुख्यमंत्री अजीत पवार के साथ एक अहम बैठक की थी। इसमें राज्य के लकडाउन से प्रभावित होने वाले लोगों के लिए एक राहत पैकेज तैयार करने के बारे में चर्चा हुई। इससे पहले रविवार को हुई टास्क फोर्स के साथ बैठक में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आठ दिनों का लॉकडाउन लगाने की बात कही थी, जबकि टास्क फोर्स के कुछ सदस्य १४ दिनों के सख्त लॉकडाउन के पक्ष में थे। शिव सेना के मुखपत्र सामना में भी १४ दिन का लॉकडाउन लगाने की ही वकालत की गई थी। इसकी बजाय मुख्यमंत्री ने धारा १४४ लगाने का फैसला किया। मुख्यमंत्री ठाकरे ने मंगलवार की रात राज्य के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना के बढ़ते मामलों से राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी हो गई है। उन्होंने कहा– यहां कोरोना नियंत्रण से बाहर हो गया है। सारी सुविधाएं कम हो गई हैं। राज्य में अक्सीजन सिलेंडरों की भारी कमी है। हम अपने हेल्थकेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार अपग्रेड कर रहे हैं लेकिन वे दबाव में हैं। मेडिकल ऑक्सीजन, बेड की कमी है और रेमडिसिविर की मांग भी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने कहा– मैं प्रधानमंत्री से बात करूंगा कि वे हमें आसपास के राज्यों से चिकित्सा उपयोग के लिए अक्सीजन की आपूर्ति में भारतीय वायु सेना की सहायता प्रदान करने का अनुरोध करें। उन्होंने मंगलवार को कहा– हम कड़े प्रतिबंध लगा रहे हैं जो कल शाम आठ बजे से लागू होंगे। कल से पूरे राज्य में धारा १४४ लागू की जाएगी। मैं इसे लॉकडाउन नहीं कहूंगा।

मौसम की जानकारी सामान्य से अच्छी बारिश के आसार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के बनाए तीन कृषि कानूनों से आंदोलित और परेशान किसानों के लिए अच्छी खबर है। इस साल मॉनसून समय पर आएगा और सामान्य से अच्छी बारिश होने के आसार भी हैं। मौसम की जानकारी देने वाली निजी संस्था स्काईमेट वेदर सर्विसेज ने बताया कि भारत में इस साल जून से सितंबर के दौरान औसत बारिश ६०७ मिलीमीटर हो सकती है। ऐसे आमतौर पर पूरे भारत में चार महीनों के दौरान ८८०.६ मिलीमीटर बारिश होती है, जिसे एलपीए यानी लांग पीरियड एवरेज कहते हैं। स्काईमेट एलपीए को ही औसत मान कर अनुमान लगाता है। इसके मुताबिक इस साल ६०७ मिलीमीटर बारिश होने की संभावना है यानी २०२१ में मनसून के दौरान १०३ फीसदी बारिश होने की संभावना है। गौरतलब है कि ६६ से लेकर १०४ फीसदी तक की बारिश को सामान्य से बेहतर बारिश कहा जाता है। २०१६ में यह आंकड़ा ११० फीसदी और २०२० में १०६ फीसदी रहा था। अब २०२१ में लगातार तीसरे साल भी मॉनसून बेहतर रहने का अनुमान है। स्काईमेट की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जून में १७७ मिलीमीटर बारिश हो सकती है, जबकि जुलाई में २७७, अगस्त में २५८ और सितंबर में १६७ मिलीमीटर बारिश होने की उम्मीद है। खास बात यह है कि पिछले साल जिन इलाकों में सामान्य से कम बारिश हुई थी, वहां पर इस बार अच्छी बारिश की संभावना है। जून में बिहार और पश्चिम बंगाल में अच्छी बारिश की संभावना है। जुलाई के दौरान महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओड़िशा और आंध्र प्रदेश में अच्छी बारिश होगी, जबकि पूर्वोत्तर और कर्नाटक में बारिश सामान्य से कम रहने की आशंका है। इस रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर में मध्य प्रदेश और देश के पश्चिमी क्षेत्रों जैसे महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। इस साल भी मुंबई में बारिश जून के पहले हफ्ते से शुरू होगी। इसके साथ ही स्काईमेट ने साफ किया कि राज्यों पर अनुमान अभी नहीं दिया जा रहा है, यह अनुमान पूरे देश के लिहाज से है।

बोर्ड परीक्षा टालने का अनुरोध

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के बाद अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की १०वीं और १२वीं की बोर्ड परीक्षाएं टालने का अनुरोध किया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना के बिगड़ते हालातों के बीच मंगलवार को मुख्यमंत्री केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस की और बोर्ड की परीक्षाएं रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली के छह लाख बच्चे इन परीक्षाओं में शामिल होंगे। केजरीवाल ने राज्य के हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि इस बार की कोरोना लहर बहुत ज्यादा खतरनाक है। इस लहर में युवा और बच्चे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार ६५ फीसदी मरीज ४५ साल से कम उम्र के हैं। मुख्यमंत्री ने कहा– आप जब भी घर से बाहर निकलें कोविड दिशा–निर्देशों का पालन जरूर करें। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में २४ घंटों कोरोना के टीके लगाए जा रहे हैं। इसलिए अगर आप ४५ साल से ऊपर हैं तो इसका टीका जरूर लगवाएं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने की मांग करते हुए कहा कि दिल्ली के छह लाख बच्चे सीबीएसई की परीक्षा में बैठेंगे। एक लाख के करीब अध्यापक इसमें शामिल होंगे। इससे बड़े स्तर पर कोरोना फैल सकता है। केजरीवाल ने कहा– मैं केंद्र सरकार से अपील करुंगा कि सीबीएसई की परीक्षाएं रद्द की जाएं। उन्होंने कहा कि कुछ और तरीका निकाला जाए या इंटरनल असेसमेंट के आधार पर बच्चों को पास किया जाए लेकिन सीबीएसई की परीक्षा रद्द करना बहुत जरूरी है।

अद्भुत गाँवः जहाँ किसी पार्टी को प्रचार की इजाजत नही

अमरेन्द्र सहाय अमर

कोई भी इलेक्शन बिना प्रचार के जीता नही जा सकता है . प्रचार चाहे संसदीय सीटो का हो , विधायकी सीटों का हो या पंचायत या पार्षद का चुनाव हो. हर प्रत्याशी अपने क्षेत्र में धुंवाधार प्रचार करता है . यह अलग बात है कि इलेक्शन जीतने के बाद वह क्षेत्र में जाय या ना जाय . अधिकतर लोग इलेक्शन जीतने के बाद पांच साल मलाई खाते है , जनता की कोई परवाह नही करते . ल्किन क्या आपको मालूम है तमिलनाडु में एक गाँव ऐसा भी है जहा किसी को भी प्रचार करने की इजाजत नहीं है. आजकल कई राज्यों में प्रचार अपने चरम पर है . बंगाल में तो बिना हिंसा के कोई प्रचार होता ही नही . अभी हाल में कई लोगो की जिन्दगी हिंसा की भेंट चढ़ गयी . तमिलनाडु में चुनाव प्रचार स्टारडम से भरपूर अपनी तड़क–भड़क के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इसी राज्य में मदुरै से सटा एक ऐसा गांव भी है, जहां की तीन पीढ़ियों ने देश के पहले चुनाव से लेकर अब तक किसी प्रत्याशी को गांव के अंदर प्रचार की इजाजत नहीं दी है. न तो किसी नेता को गांव–घर में झंडे ,बैनर, पोस्टर और कटआउट्स लगाने की इजाजत है, न ही तमिलनाडु की चुनाव संसेंति का हिस्सा बन चुके कैश फर वोट के लिए यहां कोई जगह है. प्रत्याशी कोई भी हो, उसे गांव की सीमा से ही रवाना कर दिया जाता है. मदुरै से लगभग २० किलोमीटर दूर २०० घरों और गरीब ६०० मतदाताओं वाला का छोटा सा गांव है ओथावीडू. गांव के ज्यादातर निवासी १०० साल पहले तिरुमंगलम से आकर बसे ३ परिवारों के वंशज हैं. इस गांव के दोनों तरफ १ किलोमीटर के दायरे में दूसरे गांव भी हैं. दोनों तरफ प्रचार का शोर भी है और पार्टियों के पोस्टर्स–बैनर्स और चुनाव चिह्नों से सजी दीवारें भी. प्रचार के दौरान जमकर ढोल–नगाड़े और पटाखे फोड़ने की परंपरा भी जारी है, लेकिन ओथावीडू गांव में घुसते ही माहौल बिल्कुल शांत नजर जाता है. गांव की सीमा पर बने मंदिर के पास थाली में हल्दी–पानी और पान पर कपूर जलाए महिलाएं खड़ी हैं. आज यहां दिनाकरन की पार्टी एएमएमके के प्रत्याशी के पारंपरिक स्वागत की तैयारी है. प्रचार वाहन के गांव में घुसते ही लाउडस्पीकर बंद कर दिए गए हैं. यहाँ के लोग बताते हैं कि यह परंपरा यहां आजादी के बाद हुए पहले चुनाव से चली आ रही है. तमिलनाडु में दाह संस्कार भी जश्न की तरह ढोल धमाकों और पटाखों के साथ करने की परंपरा है, लेकिन ओथावीडू में इसकी इजाजत नहीं है. फिल्म स्टार्स को लेकर दीवानगी तो यहां भी है, लेकिन फिल्मों के पोस्टर नहीं लगते. प्रचार से दूरी का कारण पूछने पर यहाँ के लोग कहते हैं– पार्टियों के प्रचार, भाषणबाजी से आपसी मनमुटाव बढ़ता है. गांव की एकता और सौहार्द हमारे लिए पहले स्थान पर है. इसलिए हम हर दल के प्रत्याशी का एक जैसा पारंपरिक ढंग से स्वागत करते हैं. गांव की सीमा पर ही अपनी समस्याएं बताते हैं, उनको सुनते हैं. हमारी यह परंपरा राजनीतिक दल भी जानते हैं और वे इसका सम्मान भी करते हैं.मुरुगन के घर में झांकने पर श्कलाइगनर यानि करुणानिधि टीवीश भी नजर आता है तो श्अम्मा फेनश भी. मुरुगन कहते हैं– हमें चुनाव से दिक्कत नहीं है. हम सब किसी न किसी पार्टी से भी जुड़े हैं, लेकिन प्रदर्शन नहीं करते. वोट के बदले पैसा की भी यहां इजाजत नहीं है. ऐसे ही कुछ गांव मदुरै सहित तेनी और विरुधुनगर जिले में भी हैं. जहां चुनाव के बाद हुए झगड़ों के चलते ग्रामीणों ने ८० के दशक से ऐसे ही प्रतिबंध लगाने का निर्णय ले रखा है.।

आलोचना मानव जीवन प्रकृति का रोष का एक अभिन्न गुण

प्रफुल्ल सिंह 'बेचैन कलम'

आलोचना मानव जीवन और व्यवहार की एक अभिन्न विशेषता है। यही कारण है कि मनुष्य अपने जीवन में सही और गलत चीजों को सत्यापित करने और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति को बनाए रखने में सफल होता है। दुनिया में सबसे अच्छे लोगों की आलोचना की गई है। उन्होंने अपने जीवन से मिली सीख को आत्मसात किया है, लेकिन सभी लोग आलोचना से नहीं सीख सकते। आलोचना भी बदलती है। यह रचनात्मक या नकारात्मक हो सकता है। जब हम आलोचना के बारे में बात करते हैं, तो हमारे मन में अक्सर नकारात्मक भावनाएं होती हैं और हम रक्षात्मक होते हैं, लेकिन यह स्थिति हमेशा अच्छी नहीं होती है। प्रतिक्रिया करने से पहले आलोचना की प्रेंति को समझना आवश्यक है। नकारात्मक आलोचना हमेशा आत्म–सम्मान को नुकसान पहुंचाने, अपमानित करने या आत्मविश्वास को कम करने के उद्देश्य से अज्ञानता या ईर्ष्या से जुड़ी है। इसलिए, एक व्यक्ति को धैर्यपूर्वक अनदेखा किया

जाना चाहिए और अनदेखा किया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश पेड़ एक ही पेड़ में मारे जाते हैं, जो अधिक फल देता है। दूसरी ओर, व्यक्ति के समर्थन के उद्देश्य से सकारात्मक या रचनात्मक आलोचना की जाती है। इस आलोचना को एक सीमित दायरे में व्यक्ति के आत्म–सम्मान को नुकसान पहुंचाए बिना किसी व्यक्ति की गलतियों, विफलताओं और दोषों को ठीक करने के सुझाव के रूप में समझा जाता है, जो एक प्रेरक के रूप में भी कार्य करता है। इस आलोचना से प्राप्त प्रेरणा व्यक्ति के भीतर एक सकारात्मक भावना पैदा करती है जो विश्वास को मजबूत करती है। इससे व्यक्ति की हीनता, विश्वास और कार्यक्षमता में गिरावट नहीं होती है। रचनात्मक आलोचना से आशय की आलोचना के बजाय कार्य और शैली की आलोचना होती है, और महान आत्मसम्मान वाला व्यक्ति हमेशा नकारात्मक आलोचना को नजरअंदाज करके रचनात्मक आलोचना स्वीकार करना सीखता है।

प्रफुल्ल सिंह बेचैन कल

सृष्टि की रचना प्रकृति के आश्रय से माया द्वारा प्रभु की इच्छा से संपन्न हुई। प्रभु ने कर्म का कठोर विधान बनाया। अनगिनत साधन उपलब्ध कराए। भगवान ने कर्म की कसौटी पर अच्छा–बुरा समझने की बुद्धि प्रदान की। इन सबके साथ उसने मानव की रचना की, जिसे अपनी सभी शक्तियों से सुसज्जित किया। इसे ज्ञान की पात्रता भी मिली। लोक और परलोक को ईश्वरीय नियमों से बांध दिया गया। यही नहीं, पृथ्वी पर मानव की भूमिका भी तय की गई, पर मानव ने शक्तियों का सदुपयोग कम, दुरुपयोग अधिक किया। बुद्धि को अच्छाई में कम, बुराई में अधिक प्रयुक्त किया। ज्ञान को विज्ञान की ओर प्रवृत्त किया। सद्कर्म के स्थान पर दुष्कर्म का वरण किया। प्रकृति के विपरीत अपनी शक्ति को संधानित किया। विवेक त्याग कर अहंकार के वशीभूत मौलिक तत्वों पर इतना कुठाराघात किया कि आज प्रेंति का कोपभाजन सभी प्रणियों को भोगना पड़ रहा है। मानव अपनी प्रतिभा की परख कर सफल हो सकता है..प्रकृति का रोष तभी शांत होगा, जब मानव अपने कर्म–रथ को उद्देश्यपूर्ण पथ पर खड़ा करे और ईश्वरीय नियमों का पालन करते हुए जीवन के लक्ष्य का संध ाान करे। कर्म–अकर्म की साधना में नैसर्गिक संतुलन को हर क्षण संभालना चाहिए, अन्यथा विपरीत परिणाम का दंश अनिवार्य है। जैविक प्रवंचना ने तत्वों के रासायनिक विघटन को महासंकट का परिणाम पृथ्वी पर प्रकट किया है। इसलिए सावधानी के साथ जीव धर्म या जीवन पद्धति को पुनरू अपनाने का समय शेष है। प्रभु की सृजनात्मक शक्तियों को विध्वंसात्मक कार्य में लगाने से प्रकृति का कोप एक बड़े अनर्थ की ओर ले जा रहा है, इसे रोकने का पुरुषार्थ अवश्य किया जाय। संहार नहीं, संभार की ओर चला जाय। प्रकृति ही जीवन का पोषण करती है, उसकी मर्यादा को ठीक उसी तरह सहेजना चाहिए, जिस प्रकार जननी की मर्यादा को सुरक्षित किया जाता है।

प्रधानपद के उम्मीदवार पर डरा धमका कर वोट मांगने का आरोप

कृष्ण कुमार शुक्ला

निघासन–खीरी। निघासन कोतवाली के ग्राम पंचायत पुरवा पढुआ का मामला प्रधान पद के उम्मीदवार हनीफ जनता को डरा धमका कर वोट मांगते हैं और वोट ना देने पर जान से मारने की धमकी भी देते हैं और कहते हैं अगर तुमने वोट नहीं दिया और हम प्रधान बन गए तो तुम्हें ग्राम पंचायत में रहने नहीं देंगे पीड़ित ने लगाई न्याय की गुहार आपको बताते चलें के चुनाव के गरमा गर्मी इतनी चल रही है कि कहीं दारू शराब रुपए दे कर के मांगी जा रही है वोट जनता को धमकाने का वीडियो हो रहा है वायरल चुनाव लड़ रहे हैं या गुंडई कर रहे हैं जनता को डरा धमका कर वोट नहीं ली जा सकती जनता का मत है जहां चाहे वहां अपना मत दे सकते हैं।

शातिर गैंगस्टर की ४४ लाख रूपये की संपत्ति जब्त

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक विजय ढुल के निर्देशन में जनपद खीरी पुलिस द्वारा अपराध की रोकथाम व शातिर अपराधियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी क्रम में खीरी पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट की धारा १४(१) के अंतर्गत अपराध से अर्जित की गयी संपत्ति के जब्तीकरण की कार्यवाही निरंतर रूप से की जा रही है। आज दिनांक १०.०४.२१ को क्षेत्राधिकारी गोला के नेतृत्व में थाना भीरा पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा शातिर अपराधी लच्छी उर्फ लच्छिया पुत्र पीरबख्श निवासी ग्राम हासिम टांडा थाना भीरा जनपद खीरी के विरूद्ध गैगस्टर एक्ट की धारा १४(१) के अंतर्गत लगभग ४४ लाख रूपये की संपत्ति जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी है। जिसमें अभियुक्त द्वारा अपराध कारित करके प्राप्त धन से अवैध रुप से निर्मित किया गया मकान, प्लट व मोटरसाइकिल शामिल है। अभियुक्त लच्छी उर्फ लच्छिया उपरोक्त शातिर किस्म का अपराधी है जिनके विरूद्ध पूर्व से गोवध अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट, पुलिस मुठभेड़, आर्म्स एक्ट आदि के लगभग १ दर्जन अभियोग पंजीं त हैं। कुर्क की गई सम्पत्ति में १. अवैध रूप से बनवाया गया मकान कीमत लगभग ३५,३७,८४६ रूपये। २. २५०० वर्ग फुट प्लाट कीमत लगभग ७,४४,००० रूपये। ३. ०१ अदद मोटरसाइकिल कीमत लगभग ३५,००० रूपये है। कुर्क करने वाली टीम १. क्षेत्राधिकारी गोला २. तहसीलदार पलिया ३. प्रभारी निरीक्षक मैलानी मय फोर्स ४. थानाध्यक्ष भीरा मय फोर्स के मुस्तैद रहे।

पुलिस व फायर बिग्रेड की मेहनत से आग पर पाया गया काबू

कृष्ण कुमार शुक्ला

निघासन खीरी। कोतवाली निघासन के चौकी क्षेत्र झण्डी के ग्राम पचपेड़ी में किन्ही कारण वश अचानक आग लग गयी जिसकी सूचना पाते ही तत्काल प्रभाव से पहुँचे झण्डी चौकी के कन्सटेबल ,धर्मेद्र कुमार ,संदीप कुमार ,योगेश वर्मा,दिवान, शिव कुमार सिंह, व उन्होंने ही मौके पर फायर बिग्रेड को बुला कर अपनी जान जोखिम में डाल कर पाइपों से खुद पानी डाल डाल कर आग बुझाई और उनकी मेहनत रंग भी लाई बेकाबू आग पे काबू पाया गया। वही एक तरफ ग्रामीणों का लाखो का नुकसान होने से भी बचाया। पुलिस व फायर बिग्रेड तत्काल मौके पर पहुँचने से ग्रामीणों ने उनकी जम कर सराहना भी की और उनके इस कार्य की वजह से कई और घर जलने से बचे।

११हजार लाइन का फेस गिरने से करीब१बीघा गेंहूं जला

निघासन खीरी। अभी अभी रामपाल कोटेदार ग्राम कसावल इनके खेत में ११हजार लाइन का फेस गिरने से करीब१बीघा गेंहू जल गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया कोटेदार का कहना है पिछले साल भी गेंहू जल गए थे हर वर्ष हो रहा लगातार नुकसान कोटेदार रोज से व्यापत है गनीमत यह है करीब २एकड़ गेंहू जलने से बचा लिया।

महिला की हत्या का सफल अनावरण, अभियुक्त गिरफ्तार

लखीमपुर–खीरी। दिनांक ०४.०४.२०२१ को थाना कोतवाली सदर क्षेत्रांतर्गत लाहौरीनगर स्थित एक खेत से एक अज्ञात महिला का शव मिला था। मृतका की शिनाख्त हेतु किए गए अथक प्रयासों के फलस्वरूप, दिनांक ०७.०४.२०२१ को मृतका की पहचान श्रीमती जन्तरा पत्नी स्वञ कढ़िले नि० भुड़वारा थाना गोला जनपद खीरी के रूप में हुई। मृतका के पोस्टमार्टम परीक्षण में मृत्यु का कारण गला दबाकर हत्या करना पाया गया। घटना के संबंध में कोतवाली सदर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विवेचना शुरु की गई। विवेचना के क्रम में, मोबाइल सर्विलांस एवं ह्यूमन इंटेलिजेंस के माध्यम से घटना में एक व्यक्ति की संलिप्तता प्रकाश में आयी जिसकी पहचान संजय भार्गव पुत्र स्व० श्यामलाल नि० मछेदिया

थाना व जनपद खीरी के रुप में हुई, जो किराए पर रिक्शा चलाता है। संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसके द्वारा जुर्म इकबाल करते हुए बताया गया कि उसकी मृतका से विगत ०४–०५ वर्षों से घनिष्ठ जान पहचान थी। अभियुक्त ने मृतका से ४५०० रुपए उधार लिये थे, जिन्हें मृतका वापस मांग रही थी। इस उधार रुपए को वापस करने में असमर्थता के कारण, अभियुक्त मृतका को बहाने से अपने साथ ले गया तथा साड़ी से गला घोंटकर हत्या कर दी तथा बाद में मृतका के परिवार वालों को विश्वास में लेने के लिए मृतका के दामाद को कई बार फोन करके मृतका के वापस घर पहुंचने के विषय में पूछता रहा। घटना का अनावरण करने वाली पुलिस टीम के उत्साह वर्धन हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा ५ हजार रू० का पुरस्कार प्रदान किया गया है।

सभासद के उपचुनाव में प्रत्याशियों का जनसंपर्क जारी

पलियाकलां–खीरी। नगर पालिका परिषद पलियाकला के मोहल्ला इकराम नगर में सभासद के उपचुनाव में ३ प्रत्याशी मैदान में हैं। आज निर्वाचन अधिकारी द्वारा तीनों प्रत्याशियों को आवंटित किए गए चुनाव चिन्ह नूरानी बानो पुत्री अब्दुल करीम का चुनाव निशान खजूर का पेड़ निशा परवीन पुत्री जफरुल हसन अंसारी का चुनाव निशान आम रुखसाना बेगम पत्नी खालिद हुसैन का चुनाव निशान छाता मिला। उपचुनाव में मतदान २ मई को होगा। तीनों प्रत्याशियों ने जनसंपर्क जारी है।

मतदान कार्मिकों को जिला मुख्यालय से आवंटित ब्लाकों तक पहुंचाने हेतु प्रशासन ने बनाई व्यवस्था

१८ अप्रैल को जीआईसी ग्राउंड से सुबह ०७ बजे आवंटित ब्लकों के लिए रवाना होगी बसें

लखीमपुर खीरी। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जिन मतदान कार्मिकों की त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन २०२१ में ड्यूटी हेतु आवंटित विकास खंडों में रिपोर्ट करना है। उनके पास आने जाने का कोई साधन नहीं है। उन्होंने बताया कि ऐसे सभी मतदान कार्मिकों की सुविधा के ष्टिगत १८ अप्रैल २०२१ की प्रातः ७ बजे राजकीय इंटर कलेज के मैदान में आवंटित विकास खंडों तक भेजने हेतु बसों की व्यवस्था की गई। ऐसे सभी मतदान कार्मिक जिन्हें आवंटित विकास खंडों में पहुंचने हेतु किसी वाहन की व्यवस्था नहीं है। वह जीआईसी ग्राउंड पहुंचकर बसों के माध्यम से ब्लाकों तक पहुंच सकते हैं।

अवैध शराब का निष्कर्षण करते हुए गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी के निर्देशन में संपूर्ण जनपद में अवैध शराब के निष्कर्षण, बिक्री व परिवहन के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत आज दिनांक १०.०४.२०२१ को थाना सिंगाही पुलिस द्वारा ग्राम सिंगहाखुर्द से मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त लाला उर्फ जमुना पुत्र कढिले निवासी ग्राम सिंगहाखुर्द थाना सिंगाही खीरी को अवैध शराब का निष्कर्षण करते हुए गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से ४० लीटर अवैध कच्ची शराब, शराब बनाने के उपकरण तथा ०१ अदद अवैध तमंचा १२ बोर व ०१ अदद जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के संबंध में थाना सिंगाही पर आबकारी अधि० एवं आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीत कर अभियुक्त को मा० न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध पूर्व से भी आबकारी अधि०, आर्म्स एक्ट, गुण्डा अधि० आदि के करीब ०१ दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं।

प्रधान, ग्रापं व क्षेपं के सदस्य उम्मीदवार को वाहन की अनुमति नहीं, जिपं सदस्य उम्मीदवारों को मिलेगी एक वाहन की अनुमति-डीएम

दिव्यांग प्रत्याशियों को मिलेगी एक वाहन की अनुमति

लखीमपुर खीरी। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन २०२१ में उम्मीदवारों द्वारा वाहन परिचालन के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) जिला मजिस्ट्रेट शैलेंद्र कुमार सिंह ने मा. राज्य निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देशों के क्रम में बताया कि प्रधान–ग्राम पंचायत, सदस्य–ग्राम पंचायत व सदस्य–क्षेत्र पंचायत का निर्वाचन क्षेत्र बड़ा न होने के कारण प्रधान–ग्राम पंचायत, सदस्य–ग्राम पंचायत व सदस्य–क्षेत्र पंचायत के उम्मीदवारों को किसी भी वाहन के परिचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सदस्य–जिला पंचायत का निर्वाचन क्षेत्र बड़ा होता है। अतः सदस्य–जिला पंचायत के उम्मीदवारों को मतदान दिवस के पूर्व प्रचार के लिए व मतदान दिवस पर मतदान स्थलों पर भ्रमण के लिए एक वाहन की अनुमति दी जा सकती है। सदस्य–जिला पंचायत के उम्मीदवार के निर्वाचन अभिकर्ता आवंटित वाहन को प्रचार हेतु उपयोग कर सकेंगे व अपने नियुक्ति पत्र पर प्रमाणित फोटो भी चस्पा करेंगे। जिससे उम्मीदवार के वाहन पर चेकिंग के समय उसका सत्यापन हो सके। उम्मीदवार के वाहन पर आगे के शीशे पर उम्मीदवार का नाम, वार्ड संख्या का नाम कि मोटे अक्षरों में प्रिंटेड स्लिप चिपकानी आवश्यक होगी। उन्होंने बताया कि दिव्यांग प्रत्याशियों को मतदान दिवस के पूर्व प्रचार के लिए व मतदान दिवस पर मतदान स्थल के भ्रमण के लिए एक वाहन की अनुमति दी जा सकती है। इस संबंध में उम्मीदवार अपने तहसील क्षेत्र के उप जिला मजिस्ट्रेट से वाहन के परिचालन की अनुमति प्राप्त कर सकते हैं।

प्रत्याशियों के सिर पर्चा खारिज होने की लटकी तलवार

लखीमपुर खीरी। बेहजम पंचायत चुनाव में नामांकन दाखिल प्रक्रिया के उपरान्त जांच में कई ग्राम पंचायत में प्रत्याशियों के सिर पर्चा खारिज की तलवार है लटकी ।देवरी ग्राम पंचायत में कई प्रधान प्रत्याशी के मतदाता सूची से साजिशन नाम गायब होने का मामला प्रकाश में आया है धवरपुर और पैला में क्षेत्र पंचायत के वार्ड संख्या गलत लिखी होने के कारण मायूस प्रत्याशी हुये। निर्वाचन अधिकारी बेहजम बोले कि मामले की जांच की जा रही है।

कोरोना मरीज भी कर सकेंगे मतदान, रिटर्निंग ऑफिसर को देनी होगी जानकारी

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की तेजी से बढ़ती लहर के बीच में १५ अप्रैल से उत्तर प्रदेश में पंचायत के चुनाव होंगे। कोरोना संक्रमण के बीच होने वाले चार चरण के मतदान को उत्तर प्रदेश सरकार के साथ राज्य निर्वाचन आयोग ने एक बड़ी चुनौती के रूप में लिया है और १५ अप्रैल को १८ जिलों में होने वाले मतदान की सभी तैयारियां भी पूरी हैं।चार चरण में होने वाले मतदान में इस बार मतदाता के पास वोट डालने के लिए ११ घंटा का समय रहेगा और जिस जिले में मतदान होगा वहां पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण पंचायती राज विभाग ने इस बार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदान का समय ११ घंटे कर दिया है। ऐसा पहली बार है जब निर्वाचन आयोग ने मतदान करने के लिए इतना समय दिया है। मतदान सुबह ७ बजे से मतदान शुरू हो जाएगा और शाम छह बजे तक वोट डाले जाएंगे। शाम ६ बजे तक जो लोग भी मतदान की लाइन में लग जाएंगे, वह अपना वोट डालकर ही जाएंगे चाहे रात हो जाए। कोरोना वायरस संक्रमण के संकट को देखते हुए आयोग ने ऐसी व्यवस्था दी गई है।कोरोना वायरस संक्रमण के कारण होम क्वारंटीन या फिर अस्पताल में

भर्ती लोग भी मतदान से वंचित नहीं होंगे। इनके लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने खास योजना बना रखी है। इसके लिए कोरोना संक्रमित व्यक्ति के स्वजन को मतदान के एक दिन पहले जिले में रिटघ्नग अफिसर को लिखित में जानकारी देनी होगी। यानी पहले चरण के मतदान वाले जिलों में कोविड से संक्रमित लोगों के स्वजन बुधवार तक उनके बारे में जानकारी दे दें। जिससे कि १५ अप्रैल से शुरू हो रहे पंचायत चुनाव में उनके लिए समुचित इंतजाम हो सके। कोरोना संक्रमित व्यक्ति के स्वजन को मतदान के एक दिन पहले रिटर्निंग अफिसर को इस बारे में लिखित में जानकारी देनी होगी। इसके बाद राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार हर जगह पर मतदान से पहले संक्रमित वोटर को पीपीई किट पहनाकर वोट डलवाया जाएगा। इस दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट को भी पीपीई किट पहनना अनिवार्य होगा। संक्रमित के वोट डालने के बाद उस पूरे कमरे को सैनिटाइज किया जाएगा।प्रदेश में चार चरणों में होने वाले पंचायत चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान १५ अप्रैल को होगा। इसके बाद १६ अप्रैल, २६ अप्रैल और २९ अप्रैल को मतदान होगा। पहले चरण में १८ जिलों में मतदान होगा। दूसरे चरण व तीसरे चरण में २०–२० और चौथे चरण में १७ जिले में चुनाव होंगे। सभी जगह के चुनाव का परिणाम दो मई को आ जाएगा।

सुशील चंद्रा बने २४वें मुख्य चुनाव आयुक्त, लेंगे सुनील अरोड़ा की जगह

नई दिल्ली। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की प्रक्रियाओं के बीच सोमवार को सुशील चंद्रा को अगला मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने चंद्रा को २४ वें मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर नियुक्त किया। बता दें कि सुशील चंद्रा सेवानिवृत हो चुके चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा की जगह लेंगे। सुशील चंद्रा मंगलवार यानि १३ अप्रेल को अपना पदभार संभालेंगे। निर्वाचन आयोग में कार्यभार संभालने से पूर्व चंद्रा सीबीडीटी के अध्यक्ष थे। सुशील चंद्रा को लोकसभा चुनाव से पहले १४ फरवरी, २०१६ को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था, जिन्होंने सफलतापूर्वक चुनाव का आयोजन कराया था। सुशील चंद्रा का कार्यकाल १४ मई, २०२२ तक रहेगा। इस बीच सीईसी के रूप में उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, उत्तराखंड और मणिपुर में विधानसभा चुनाव के संचालन की देखरेख करेंगे। चुनाव आयोग में अपनी नियुक्ति से पहले, चंद्रा केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष थे। उनके नेतृत्व में, सीबीडीटी ने २०१७ में अवैध धन और काले धन पर अंकुश लगाने के लिए अपरेशन क्लीन मनी शुरू किया था। चंद्रा ने चुनाव के दौरान काले धन को रोकने की दिशा में काम महत्वपूर्ण काम किया

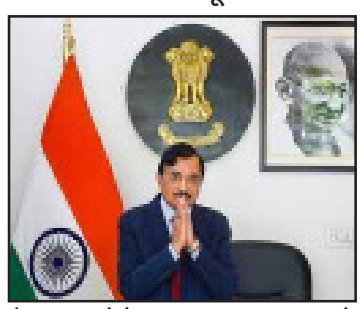

है। उन्होंने चुनाव–मुक्त चुनावों की आवश्यकता पर बल दिया है और इस दिशा में विशेष पैनल पर्यवेक्षकों की नियुक्ति सहित मतदान पैनल द्वारा इस दिशा में कदम उठाए गए हैं। चुनाव आयुक्त के रूप में अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान चंद्रा ने १० से अधिक राज्यों के विधानसभा चुनावों की निगरानी कर पूरी नामांकन प्रक्रिया को अनलाइन करने की दिशा में काम किया। चंद्रा ने ही उम्मीदवार की जानकारी और सिस्टम में हलफनामों को अपलोड करने में त्रुटि मुक्त फीडिंग की भी अनुमति दी।

सोनिया गांधी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग :कोरोना की दवाओं को GST से रखा जाए बाहर

नई दिल्ली। देश में बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर कहा है कि कोरोना महामारी के इलाज के लिए उपयोग में लाई जाने वाली दवाइयों और आवश्यक उपकरणों पर छूट दी जाए और साथ ही गरीबों के खाते में ६,००० रुपये महीने के डाले जाए। सोनिया गांधी ने कहा कि राज्यों में वैक्सीन की कमी है और इसे प्राथमिकता पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने उन सभी वैक्सीनों को अनुमति प्रदान किए जाने की भी बात कही है, जिन्हें मंजूरी दे दी गई है। कोरोना संक्रमण के चलते प्रवासी मजदूरों का एक बार फिर से पलायन शुरू हो गया है। ऐसे में इन्हें कुछ राहत पहुंचाने के लिए सोनिया गांधी ने अपील की है कि केंद्र सरकार द्वारा ऐसी किसी योजना को लागू किया जाए, जिसके तहत जरूरतमंदों के खाते में हर महीने ६,००० स्थानांतरित हो क्योंकि कोरोना के प्रसार पर काबू पाने के चलते लगाए गए लॉकडाउन या कर्फ्यू से इनकी जिंदगी काफी प्रभावित हुई है। उन्होंने कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों संग बैठक करने के बाद यह पत्र लिखा। पार्टी द्वारा सभी के टीकाकरण के लिए एक सोशल मीडिया अभियान भी शुरूआत की गई है। देश में इस वक्त टीकों की संख्या में आई कमी का जिक्र करते हुए पार्टी ने कहा कि वैक्सीन के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए और देशवासियों को पहले टीके की खुराक उपलब्ध कराई जाए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, देश को कोविड १९ वैक्सीन की जरूरत है। कृपया अपनी आवाज उठाएं क्योंकि एक सुरक्षित जिंदगी पर सबका अधिकार है।

चार फेरे लेने का बाद लुटेरी दुल्हन हुई फरार

लखनऊ। देश में लगातार शादियों में होने वाली ठगी के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. ऐसा ही एक मामला मेरठ से सामने आया है. यहां एक शाही समारोह के दौरान दौरान ही दुल्हन लाखों के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गई. इस दौरान जब वर पक्ष ने शोर मचाना शुरु किया तो पता चला कि दुल्हन के परिजन और पंडित सब के सब फर्जी थे. इस लुटेरी दुल्हन की इस करतूत से इलाके में सनसनी मच गई है. लोगों का कहना है कि शादियों में इस तरही की बढ़ती ठगी के कारण अब लोग जान पहचान में ही शादी करना चाह रहे हैं. वारदात के बाद वर पक्ष ने लुटेरी दुल्हन और उसके नकली परिजनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है. मुजफ्फरनगर में रहने वाले एक युवक की शादी मेरठ की परतापुर इलाके की रहने वाली एक लड़की के साथ तय हुई थी. लड़की पक्ष ने शादी के बदले एक लाख की डिमांड की थी. इस शर्त को मानते हुए वर पक्ष ने शादी समारोह के दौरान एक लाख रुपए और जेवरात दुल्हन को सौंप दिये. इसके बाद चलते फेरों के दौरान दुल्हन ने बाथरूम जाने का बहाना बनाया, जिसके बाद धीरे–धीरे लुटेरी दुल्हन के साथ ही दुल्हन

पक्ष के पंडित और परिजन भी भाग खड़े हो गये.. काफी देर बाद भी जब दुल्हन वापस नहीं लौटी तो दूल्हा पक्ष के लोगों को पता चला कि वो ठग लिये गये हैं. इसके बाद वर पक्ष ने थाना जाकर मामला दर्ज करा दिया.वर पक्ष के मामला दर्ज करने के बाद से पुलिस भी हरकत में आ गई. पुलिस लुटेरी दुल्हन और उसकी नकली परिजनों की लगातार तलाश कर रही है. पुलिस ने आरोपी दुल्हन और उसके परिजन के खिलाफ धोखाधड़ी की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है. पुलिस का कहना है कि इस तरह की बढ़ते अपराध को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं. जांच के बाद आरोपियों पर पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी. इस संबंध में दुल्हा बन शादी करने पहुंचे देवेंद्र ने बताया कि गांव के बाहर के एक मंदिर में शादी समारोह का आयोजन किया गया था. शादी की रस्में शुरू होते ही परिजनों ने एक लाख रुपये की मांग की. देवेंद्र ने बताया ति युवती पक्ष से तीन लोग थे. देवेंद्र पक्ष से चार लोग थे. रकम लेने के बाद एक फेरा और लिया गया. जिसके बाद दुल्हन ने बाथरूम जाने की बात कही. इसके बाद दुल्हन गई तो वापस नहीं लौटी. दुल्हन की मौसी बताने वाली महिला और एक अन्य व्यक्ति दुल्हन को खोजने के बहाने निकल गए. इसी बीच शादी कराने वाला पंडित भी गायब हो गया.

लखनऊ में व्यापारी नेता बनवारी लाल कंछल कोरोना संक्रमित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिध मंडल के प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल कोरोना संक्रमित हो गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद वह होम क्वरंटाइन हो गए हैं। बीते एक हफ्ते पहले उन्हें बुखार और मामूली खांसी की शिकायत हुई थी। उसके बाद उन्होंने लोगों से मिलना–जुलना और प्रदेश के दौरों का रद्द कर दिया था। जांच में कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद से वह घर में क्वरंटाइन हो गए हैं और गाइडलाइन के तहत दवाएं ले रहे हैं।बाजारों में तेजी से संक्रमण फैलने की शिकायतें आम हो चुकी हैं। सुभाष मार्ग, रकाबगंज, यहियागंज, अमीनाबाद, दवा बाजार, गणेशगंज, नाका हिंडोला, आलमबाग समेत कई बाजारों में एक बड़ी संख्या में व्यापारियों में संक्रमण शिकायतें हैं। शारीरिक दूरी का पालन न किए जाने और दबाव में मास्क महज गले

बाजारों में कोरोना बम फूट सकता है।आलमबाग के अवध व्यापार मंडल के अध्यक्ष ओपी आहूजा सभी व्यापारियों से हफ्तेभर की बंदी की अपील कर चुके हैं। इसके अलावा कोरोना

चेन संक्रमण को तोड़ने के लिए लखनऊ किराना कमेटी की ओर से तय की गई बाजार बंदी को लेकर विनोद अग्रवाल और आदर्श व्यापार मंडल के ओम प्रकाश सांवरिया किराना बाजार को चार दिन के लिए बंद कर चुके हैं। गुरुवार तक शहर के सभी प्रमुख किराना बाजार बंद

भैंसा कुंड से भी गाड़ियां उठा ले गई क्रेन, लगातार उठ रहे सवालों से डीसीपी नाराज

लखनऊ। राजधानी में मंगलवार को लखनऊ पुलिस और नगर निगम की संवेदनहीनता देखने को मिली। सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर लोग भैंसा कुंड पर शवों का अंतिम संस्कार करने गए थे। इसी बीच वहां क्रेन भेज दी गई और गाड़ियां उठानी शुरू कर दी गई। इंटरनेट मीडिया पर क्रेन की तस्वीरे वायरल हुई तो लोग लखनऊ पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाने लगे।मामला बढ़ता देख डीसीपी ट्रैफिक ख्याति गर्ग ने ट्वीट कर कहा कि जाम लगने के कारण क्रेन वहां भेजी गई थी। डीसीपी के ट्वीट पर लोगों ने सवाल खड़े कर दिए और उनसे पूछा गया कि चौड़ी सड़क पर जाम कहाँ दिख रहा है। लगातार उठ रहे सवालों से डीसीपी नाराज हो गईं और उन्होंने

इसे अफवाह करार देते हुए एफआइआर दर्ज करने की बात कही। इंटरनेट मीडिया पर लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की और बताया कि अभी तक तीन लोगों की गाड़ियां उठाई गई हैं। इसके बाद पुलिस बैकफुट पर आ गई और पीड़ितों का ब्यौरा मांगने लगी। उधर, मामले कि गंभीरता को देखते हुए नगर आयुक्त अजय द्विवेदी भैंसा कुंड पहुँचे और छानबीन की।इसके बाद वहां से गाड़ियां नहीं उठाने के निर्देश जारी किए गए। दूसरी ओर, पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर ने कहा कि भैंसा कुंड पर यातायात बाधित न हो, इसलिए गाड़ी को रोड से हटाकर किनारे किया गया था। अगर किसी वाहन से चालान या सम्मन शुल्क लिया गया हो तो लोग लखनऊ पुलिस ट्रैफिक हेल्पलाइन ६४५४४०५१५५ पर सूचित करें।

ड्रेस को लेकर निशाने पर प्रियंका चोपड़ा, ट्रोलर्स ने कहा- लगता है कुछ पहनना भूल गई एक्ट्रेस

नई दिल्ली। बॉलीवुड और हॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर से सुर्खियों में आग गई हैं। हाल ही में प्रियंका ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है। जिसके बाद प्रियंका ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं।बीते रविवार को लंदन के रॉयल अल्बर्ट हॉल में बाफ्टा २०२१ का आयोजन किया गया। प्रियंका अपने पति निक जोनस साथ बड़े ही ग्लैमरस अंदाज में दिखाई दीं। प्रियंका चोपड़ा वाइट धोती पैंट के साथ पिंक कलर के फ्लोरल कोट में नजर आईं। वहीं साथ में निक ब्लैक कोट और पैंट पहने हुए दिखाई दिए। आउटफिट पहने प्रियंका और निक बड़े ही शानदार दिखाई दिए। तस्वीरों में दोनों की जोड़ी साथ में काफी दिलचस्प लग रही हैं। इनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। लेकिन प्रियंका की ड्रेस को लेकर लोग इतने भड़क गए कि वह उन्हें ट्रोल करने लगे। सोशल मीडिया पर प्रियंका का लुक सामने आते ही लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका के इस फैशन को अब तक का सबसे बेकार फैशन बताया। वहीं एक यूजर ने कमेंट कर कहा कि इसे भी उतार दो, शर्म तो बिल्कुल भी नहीं आ रही है। यह भारती संसेंति नहीं है। वहीं एक यूजर ने कमेंट करते हुए कहा कि लगता है कुछ पहनना भूल गई।

डीएम अभिषेक प्रकाश का सख्त निर्देश, निजी अस्पताल के डाक्टर-कर्मचारी भी सीएमओ से लेंगे छुट्टी

लखनऊ। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रशासन ने अब निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में भी डाक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को मनमानी छुट्टियां लेने पर रोक लगा दी है। अब सभी को अवकाश के लिए सीएमओ कार्यालय को बताना होगा। राजधानी में संक्रमितों की तादाद गातार बढ़ रही है। वहीं, डाक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ भी संक्रमित हो रहे हैं। इस कारण मरीजों के इलाज में समस्या हो रही है। साथ ही इस तरह की शिकायतें भी सामने आ रही थीं कि तमाम डाक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ कोविड वार्ड में ड्यूटी से बचने के लिए बहाना बनाकर अवकाश पर जा रहे हैं।जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने मंगलवार को इस संबंध में सभी निजी अस्पतालों को आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि आपदा को देखते हुए मंगलवार से निजी अस्पतालों में भी मेडिकल स्टाफ को छुट्टी लेने से पहले सीएमओ कार्यालय को सूचित करना होगा। कहीं गड़बड़ी मिली तो कार्रवाई होगी। लोग शारीरिक दूरी का पालन नहीं कर रहे। लगातार नियमों का उल्लंघन का रहे हैं, जिससे संक्रमण तेजी से फैल रहा है। उधर, चिकित्सक घंटो पीपीई किट पहनकर संक्रमित मरीजों का इलाज कर रहे हैं। ड अनित्या बताती हैं कि कोविड अस्पताल में ड्यूटी आसान नहीं है। ड्यूटी कर रहे स्वास्थ विभाग के हर कर्मचारी को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। पीपीई किट पहनकर ड्यूटी करना खुद में एक चुनौती है। सभी कर्मचारी इसका पालन करते हैं और युद्ध स्तर पर मरीजों के इलाज में अपना योगदान दे रहे हैं।

मैं गुस्सा हूं, मैं दुखी हूं, आप बिना कुछ कहे चले गए पापा

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव की गर्लफ्रेंड और बॉलीवुड एक्ट्रेस पत्रलेखा के पिता अजीत पॉल का निधन हो गया है। एक्ट्रेस पत्रलेखा ने सोशल मीडिया पर इस दुखद खबर की जानकारी दी है। पत्रलेखा की इस पोस्ट पर बॉलीवुड कलाकारों और फैंस ने श्रद्धांजलि देते हुए पत्रलेखा को सांत्वना दी है। आगे लिखा है कि आपने हमेशा कठिन परिश्रम किया जिससे कि हम अच्छा जीवन जी सकें। आप सबसे अच्छे पापा और बेस्ट पति रहे। आपने अपने काम को प्यार किया और आप इसमें श्रेष्ठ थे। आपके सारे दोस्त मुझसे कहा करते थे कि आप एक महान दोस्त, एक दार्शनिक और उनके लिए मार्गदर्शक थे। आपको अन्य साइड मिलूंगी आई लव यू इस भावुक पोस्ट पर कई सेलेब्स ने पत्रलेखा को उनके पिता के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए ढांढस बंधाया है। पत्रलेखा की पहली फिल्म निर्देशित करने वाले हंसल मेहता ने लिखा, लव यू पात्रा। आपके लिए प्रार्थनाएं। बहुत बड़ी झप्पी और ढेर सारी प्रार्थनाएं।

पत्रलेखा को बेस्ट डेब्यू का स्क्रीन अवॉर्ड पत्रलेखा का जन्म २० फरवरी, १९९० को शिलांग में हुआ। पत्रलेखा ने २०१४ में हंसल मेहता की फिल्म सिटीलाइट्स से करियर की शुरूआत की। इसमें उनके साथ राजकुमार राव नजर आए थे। फिल्म में उनके रोल के लिए उन्हें बेस्ट डेब्यू का स्क्रीन अवॉर्ड दिया गया। २०१६ में पत्रलेखा लव गेम्स और २०१८ में नानू की जानू फिल्म में नजर आईं। २०१७ से वह वेब शोज सीरीज में भी नजर आ रही हैं। पत्रलेखा ने अपने पिता की एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। जिसमें पिता की फोटो पर फूलों की माला चढ़ी हुई है। इसके साथ कैप्शन में लिखा कि, मैं गुस्सा हूं, मैं दुखी हूं, मैं निशब्द हूं ये दर्द, ये दुख मेरे हिस्से को चीर रहा है। आप बिना कुछ कहे चले गए पापा मैं आपसे प्यार करती हूं, हम हमेशा आपका हिस्सा रहेंगे और आप हमेशा हमारे जरिए जिंदा रहेंगे। मुझे उम्मीद है कि मैं आपको गर्व का अनुभव कराउंगी। मुझे इतनी शानदार लाइफ देने के लिए शुक्रिया

विवेक ओबेरॉय ने 'फिल्म 'कंपनी' में किरदार के लिए झुग्गी में रहने वाले दिनों को किया याद

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने **Film Industry** में १९ साल का सफर तय कर लिया है। विवेक ओबेरॉय ने अपनी पहली फिल्म कंपनी में गैंगस्टर चंदू का किरदार निभाने के लिए तीन सप्ताह एक झुग्गी में रहे थे। राम गोपाल वर्मा की फिल्म कंपनी १२ अप्रैल २००२ को रिलीज हुई थी। विवेक ने कहा, फिल्म कंपनी मेरे लिए एक ड्रीम डेब्यू थी! उस समय यह मौका मुझे राम गोपाल वर्मा ने दिया और मैंने इस किरदार को निभाया। इस किरदार के लिए मैंने एक खोली किराए पर ली और चंदू नागरे के किरदार की तैयारी के लिए तीन सप्ताह तक उसी में रहा। १९ साल हो गये और आज तक मैंने एक चीज नहीं बदली! विवेक ओबेरय जल्द ही हॉरर थ्रिलर 'रोजीः द सैफरन चौप्टर' में नजर आएंगे, जो टीवी स्टार श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी के साथ नजर आएंगे। विशाल रंजन मिश्रा द्वारा निर्देशित थ्रसउ कथित तौर पर गुरुग्राम की रोजी नामक एक महिला के अचानक लापता होने की वास्तविक घटना पर आधारित है, जो एक ठच्च कंपनी में काम करती थी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191.
9026560178

Email-
adbhutsamachar
@yahoo.in
adbhut_samachar
@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक